# सावित्रीबाई फुले

## चर्चा में क्यों?

* हाल ही में प्रधानमंत्री ने सावित्रीबाई फुले को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

## सावित्रीबाई फुले के बारे में

* सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा, समानता और न्याय के लिए दमनकारी सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने में अग्रणी भूमिका निभाई। उन्हें 'भारत की पहली महिला शिक्षक' के रूप में भी जाना जाता है।
* वह माली समुदाय की एक दलित महिला थीं। उनका जन्म 3 जनवरी, 1831 को सतारा जिले के नायगांव में हुआ था।
* 1840 में, 9 साल की छोटी उम्र में, उनकी शादी ज्योतिराव फुले से हुई थी। ज्योतिराव फुले को 'महात्मा ज्योतिबा फुले' के नाम से भी जाना जाता है, जो भारत के प्रमुख समाज सुधारकों और जाति-विरोधी कार्यकर्त्ताओं में से एक थे। उन्होंने सावित्रीबाई को घर पर शिक्षित किया और बाद में उन्हें पुणे में एक शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में भर्ती कराया। ।

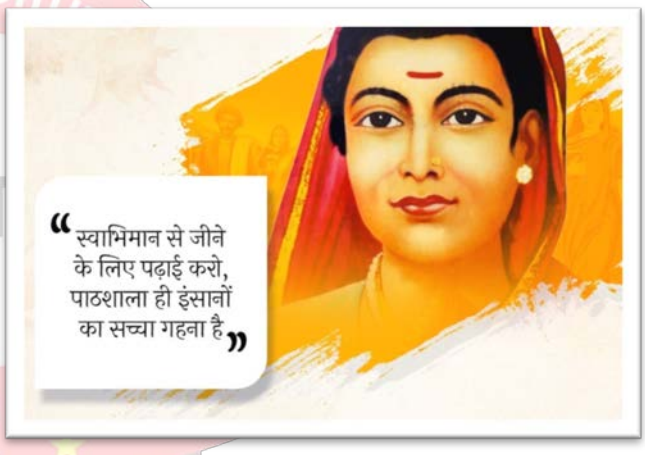


## भारत के प्रथम बालिका विद्यालय की स्थापना

* ऐसे समय में जब शिक्षा ज्यादातर उच्च वर्ग तक सीमित थी, संपन्न पुरुषों और महिलाओं को स्कूल जाने के योग्य नहीं समझा जाता था, फुले दंपत्ति ने 1948 में भिडेवाड़ा, पुणे में बालिकाओं के लिए एक स्कूल की स्थापना की। यह बालिकाओं का भारत में पहला स्कूल था।

## एक समाज सुधारक के रूप में फुले की भूमिका

* 1852 में, उन्होंने 'महिला सेवा मंडल' नामक एक महिला अधिकार वकालत संगठन की स्थापना की।
* 1860 में, फुले परिवार ने विधवा महिलाओं के बाल मुंडवाने के विरोध में नाई हड़ताल आयोजित की।
* ज्योतिराव के साथ, सावित्रीबाई ने भेदभाव का सामना करने वाली गर्भवती विधवाओं के लिए बालहत्या प्रतिभा गृह ('शिशु हत्या की रोकथाम के लिए घर') शुरू किया।

- सावित्रीबाई फुले ने अन्य सामाजिक मुद्दों के अलावा अंतरजातीय विवाह, विधवा पुनर्विवाह के समर्थन तथा बाल विवाह, सती और दहेज प्रथा के उन्मूलन की भी वकालत की।
- 1873 में, फुले दंपत्ति ने सत्यशोधक समाज ('सत्य-साधक' समाज') की स्थापना की, जो सामाजिक समानता लाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ सभी के लिए खुला एक मंच था, चाहे उनकी जाति, धर्म या वर्ग पदानुक्रम कुछ भी हो।

## साहित्यिक कार्य

- सावित्रीबाई फुले ने 1854 में 23 साल की उम्र में काव्या फुले ('पोएट्रीज़ ब्लॉसम') नाम से अपना पहला कविता संग्रह प्रकाशित किया।
- उन्होंने 1892 में बावन काशी सुबोध रत्नाकर ('शुद्ध रत्नों का महासागर') प्रकाशित किया।

स्रोत- द इंडियन एक्सप्रेस

# भारतीय गैंडे

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में असम के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि 2022 में राज्य में किसी गैंडे का शिकार नहीं किया जाएगा।

## प्रमुख बिंदु

- **वितरण क्षेत्र :** भारतीय गैंडा (Rhinoceros unicornis) केवल ब्रह्मपुत्र घाटी, उत्तरी बंगाल के कुछ हिस्सों और दक्षिणी नेपाल के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।
- **विशेषताएँ:** इसमें एक काला सींग होता है जो 60 सेमी. तक बढ़ सकता है। इसकी त्वचा भूरे रंग की, परतदार एवं सख्त होती है, जो इसके शरीर पर एक विशिष्ट कवच के समान प्रतीत होती है।
- **संरक्षण:** भारतीय गैंडे को IUCN रेड लिस्ट में 'सुभेद्य श्रेणी' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसे पहले 'लुप्तप्राय श्रेणी' में रखा गया था।
- **जनसंख्या:** WWF के अनुसार, वर्तमान में लगभग 3,700 भारतीय गैंडे मौजूद हैं। मार्च, 2022 में की गई जनगणना के अनुसार, अकेले असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 2,613 भारतीय गैंडे हैं। ओरंग, पोबितोरा और मानस पार्कों में 250 से अधिक अन्य गैंडे हैं।

## गैंडों का शिकार:

- गैंडों का शिकार उनके सींग के लिए किया जाता है, जो

कुछ संस्कृतियों में बेशकीमती है।

- ग्राउंड राइनो हॉर्न का उपयोग पारंपरिक चीनी चिकित्सा में कैंसर से लेकर कामोत्तेजक के रूप में कई बीमारियों को ठीक करने के लिए किया जाता है। वियतनाम में गैंडे के सींग को 'स्टेटस सिंबल' माना जाता है।

स्रोत- द इंडियन एक्सप्रेस

# फेम इंडिया फेज II

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा फेम इंडिया फेज II योजना के तहत दिल्ली में 50 इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च की गईं।

## फेम इंडिया फेज II के बारे में:

- **योजना का पूरा नाम:** फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स इन इंडिया फेज II (फेम इंडिया फेज II)।
- **कार्यान्वयन एजेंसी**: भारी उद्योग विभाग।
- **उद्देश्य:** इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर अग्रिम प्रोत्साहन की पेशकश और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करके देश में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को बढ़ावा देना।

## योजना की मुख्य विशेषताएं:

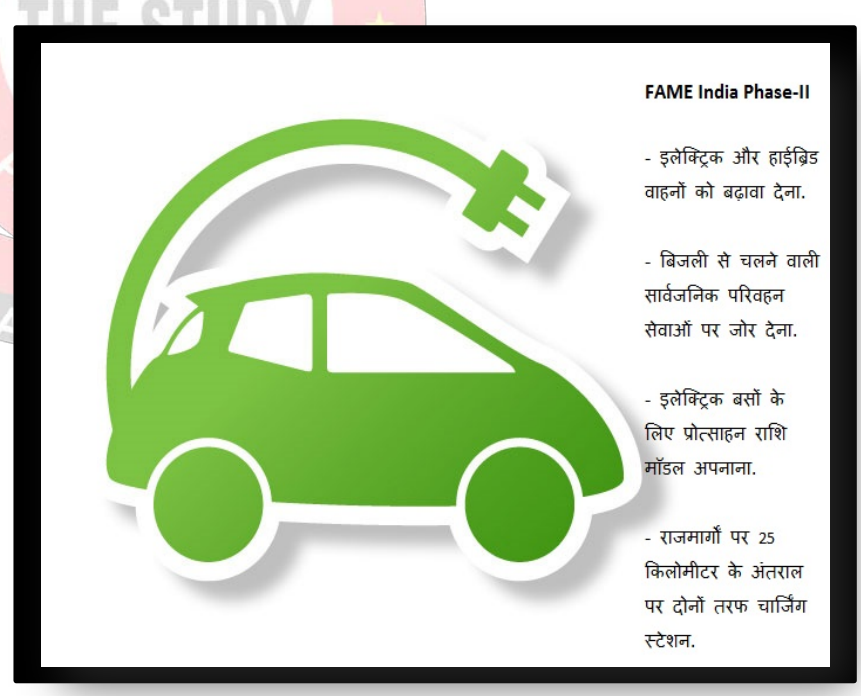


- तीन वर्षों (2019-20 से 2021-22) की अवधि में 10,000 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाली यह योजना 1 अप्रैल, 2019 को लागू की गयी थी।
- यह योजना 'फेम इंडिया-1 ' नामक वर्तमान योजना का विस्तारित संस्करण है, जिसे 1 अप्रैल, 2015 को 895 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था।
- इसका लक्ष्य 10 लाख ई-2 व्हीलर, 5 लाख ई-3 व्हीलर, 55000 4 व्हीलर और 7000 बसों का समर्थन करना है।
- FAME-II की योजना के तहत, e-2W के लिए मांग प्रोत्साहन को 10,000/KWh रुपये से बढ़ाकर15,000/KWh रू. कर दिया गया है।

✲ फेम-इंडिया योजना के दूसरे चरण को 31 मार्च, 2022 के बाद दो वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है।

**लाभ:** यह योजना पर्यावरण प्रदूषण और ईंधन सुरक्षा के मुद्दे को हल करने में मदद करेगी।

स्रोत- पीआईबी

# राजकोषीय घाटा 59% पर पहुंचा

## चर्चा में क्यों?

✲ केंद्र का राजकोषीय घाटा पूंजीगत व्यय में तीव्र वृद्धि, कर राजस्व में मध्यम विस्तार और राज्यों को उच्च हस्तांतरण के कारण पहले आठ महीनों में 2022-23 के बजट लक्ष्य के 59% तक पहुंच गया।

## राजकोषीय घाटा

✲ राजकोषीय घाटा सरकार की कुल आय (कुल कर और गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां) तथा उसके कुल व्यय के बीच का अंतर है।

✲ राजकोषीय घाटे की स्थिति तब होती है जब सरकार का व्यय उसकी आय से अधिक हो जाता है। इस अंतर की गणना निरपेक्ष रूप से और देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के प्रतिशत के रूप में भी की जाती है।

✲ आवर्ती उच्च राजकोषीय घाटे का मतलब है कि सरकार अपने संसाधनों से अधिक खर्च कर रही है।

✲ राजकोषीय घाटा = सरकार का कुल व्यय (पूँजी और राजस्व व्यय) - सरकार की कुल आय (राजस्व प्राप्तियाँ + ऋणों की वसूली + अन्य प्राप्तियाँ)

✲ इसके दो घटक राजस्व प्राप्तियाँ और गैर-कर राजस्व हैं।

## राजस्व प्राप्तियां

निगम कर
आयकर
सीमा शुल्क
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
जीएसटी और केंद्र शासित प्रदेशों के कर।
गैर-कर राजस्व
ब्याज प्राप्तियां
लाभांश और लाभ
बाहरी अनुदान
अन्य गैर-कर राजस्व
केंद्र शासित प्रदेशों की रसीदें

210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Contact Us 9999516388, 8595638669

## व्यय:

- राजस्व व्यय
- पूंजीगत व्यय
- ब्याज भुगतान
- पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए सहायता
- कभी-कभी, सरकारें समाज के कमजोर वर्गों; जैसे- किसानों और गरीबों को अन्य सहायता पर खर्च करती हैं।
- एक उच्च राजकोषीय घाटा भी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा हो सकता है, यदि खर्च किया गया धन राजमार्गों, सड़कों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों जैसी उत्पादक संपत्तियों के निर्माण में लगाया जाता है जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं और रोजगार सृजन में परिणत होते हैं।

## राजकोषीय घाटे को कैसे संतुलित किया जाता है?

- अल्पकालिक समष्टि अर्थशास्त्र में इसे संतुलित करने के लिए, सरकार बॉन्ड जारी करके और उन्हें बैंकों के माध्यम से बेचकर बाजार से उधार लेती है। बैंक इन बांडों को मुद्रा जमा के साथ खरीदते हैं और फिर उन्हें निवेशकों को बेचते हैं।
- सरकार बजट में करों को बढ़ाने या खर्च में कटौती किए बिना, कल्याणकारी कार्यक्रमों सहित नीतियों और योजनाओं का विस्तार करने के अवसर के रूप में भी घाटे की स्थिति को देखती है।

स्रोत- लाइव मिंट

# कृषि में ब्लॉकचेन

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सरकार ने देश के खाद्य शिपमेंट को बढ़ाने और किसानों को रसायन मुक्त प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु सभी निर्यात-संचालित फसलों में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की योजना बनाई है।
- ब्लॉकचेन के माध्यम से भारत की प्राकृतिक कृषि को जल्द ही प्रौद्योगिकीय प्रोत्साहन मिल सकता है।

## ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी क्या है?

- ब्लॉकचैन एक साझा, अपरिवर्तनीय खाता बही है जो व्यापार नेटवर्क में लेन-देन रिकॉर्ड

करने और संपत्तियों को ट्रैक करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाता है।

- संपत्ति मूर्त (एक घर, कार, नकदी, भूमि) या अमूर्त (बौद्धिक संपदा, पेटेंट, कॉपीराइट, ब्रांडिंग) हो सकती है।
- वस्तुतः किसी भी मूल्यवान वस्तु को ट्रैक किया जा सकता है, ब्लॉकचैन नेटवर्क पर कारोबार किया जा सकता है, जोखिम को कम किया जा सकता है और सभी शामिल लोगों के लिए लागत में कटौती की जा सकती है।
- यह एकल सर्वर और व्यवस्थापक होने के बजाय सभी नेटवर्क सदस्यों को विशेषाधिकार वितरित करता है।
- एकाधिक पार्टियां नए डेटाबेस परिवर्धन तक पहुंच और सत्यापन कर सकती हैं, सुरक्षा बढ़ा सकती हैं और भ्रष्टाचार के जोखिम को कम कर सकती हैं।

## कृषि में ब्लॉकचेन के अनुप्रयोग

- **स्मार्ट खेती:** इसमें आईसीटी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT ), विभिन्न सेंसर, मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी तथा डेटा विश्लेषण और संग्रह उपकरण जैसे मानव रहित हवाई वाहन जैसे तत्व शामिल हैं।
- **खाद्य आपूर्ति श्रृंखला:** वैश्वीकरण के अत्यधिक दबाव के कारण, कृषि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला पहले से कहीं अधिक लंबी और गहन हो गई है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी उत्पादकों और ग्राहकों के बीच विश्वास की स्थापना को सुगम बनाकर इनमें से कई चुनौतियों के समाधान में योगदान करती है।
- **कृषि बीमा:** किसान विभिन्न प्रकार की बीमा पॉलिसियों को चुन सकते हैं जो नुकसान की गणना और भुगतान के तरीके के मामले में भिन्न होती हैं।
- **कृषि उत्पादों का लेन-देन:** ब्लॉकचेन तकनीक के उपयोग से ई-कॉमर्स साइटों पर कृषि उत्पादों के अधिग्रहण और बिक्री में काफी तेजी आ सकती है।

## कृषि में ब्लॉकचेन तकनीक के लाभ

- **सूचना:** ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकियां पौधों के बारे में सभी प्रकार की जानकारी को ट्रैक कर सकती हैं, जैसे कि बीज की गुणवत्ता, और फसल की वृद्धि।
- **आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शिता:** यह डेटा आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शिता में सुधार कर सकती है तथा अवैध और अनैतिक कार्यों से जुड़ी चिंताओं को समाप्त कर सकती है।
- **खाद्य सुरक्षा:** इन तकनीकों का प्राथमिक लक्ष्य स्थिरता और खाद्य सुरक्षा है।
- **पारदर्शिता:** जब उपभोक्ताओं के पास इतनी पारदर्शिता होती है, तो वे खरीदारी के बारे में सूचित निर्णय ले सकते हैं।
- **पुरस्कार :** इसका उपयोग उन किसानों और उत्पादकों को पुरस्कृत करने के लिए किया जा सकता है जो अच्छी खेती के तरीकों को लागू करते हैं।

स्रोत- इकोनोमिक टाइम्स